छद्म धर्म निरपेक्ष नेताओं

का....

कच्चा चिट्ठा

समर्पण......

ये समस्त चित्र समर्पित हैं • उन बुद्धिजीवियों को जिन्हें देश के सैकड़ों बार हुये अपमान से कभी शर्म नहीं आई ... और 6 दिसंबर को मारे शर्म के इतने लाल हो गये ..कि तोते अपनी चोंच की सुर्ख रंगीनियत का गुमान भूलगये ! • उन न्याय का पग पग पर अपमान करने वाले सत्ताधीशों को जो आज जाने किस मुँह से... न्याय की दुहाई दे रहे हैं।
• उन नेताओं को जिनके कारण "कानून" इतना वीभत्स होगया कि उसे हाथ में लेना तो दूर पाँव से छू लेने में भी घृणा होती है। • उस न्यायालय को.. जिसने धीमी दौड़ में कछुआ चाल से हजारों गुना धीमे चलकर "कछुआ चाल" शब्द को काल बाह्य कर दिया।
• उन मुस्लिम मतानुयायियों को जिनकी नजर में भारत दारुल इस्लाम है एवं इनके वोटों के खातिर बिके हुये। • उन छद्म धर्म निरपेक्षों को • उस कांग्रेस एवं उसके बच्चों (अन्यदलों) को जो धर्म निरपेक्षता को राष्ट्र से बड़ा मानते हैं। नेहरू के उन मानसपुत्रों को जो उसी की तरह...फिर से देश के विभाजन की तैयारी में लगे हुये हैं.. सिर्फ सत्ता के लिये एवं उस पाठक को.... जो इसे पढ़कर भी.... सक्रिय न हो!

चीन एवं पाकिस्तान ने
देश की हजारों वर्गमील
भूमि हड़प ली !
जिसमें पवित्र कैलाश व मानसरोवर भी है !
देश की इस शर्मनाक पराजय को.....
शांति की दिशा में उत्तम कदम कहकर
सराहने वाले बुद्धिजीवियो...तब शर्मिन्दा नहीं हुए ?

भारत से हमको क्या काम ?
अपना नारा है इस्लाम ।।
भारतीय संविधान
○ देश के संविधान की प्रतियाँ एवं राष्ट्रीय ध्वज को
सारे नेताओं की नाक के नीचे..... राजधानी में
बोट क्लब पर जलाया गया ।
○ भारत माता को डायन कहा गया ।
○ खून की नदी बहाने की धमकियाँ दीं।
○ गणतंत्र दिवस का बहिष्कार किया ।
○ न्याय पालिका के लिये अपशब्द कहे....आदि
तब किसी बुद्धिजीवी को शर्म नहीं आई ! .... क्यों ?

मुस्लेम आतंकवादियों ने....

2½ लाख हिन्दुओं को
"हिन्दुस्तानी कुत्ते" कहकर
कश्मीर से बाहर निकाल
दिया।

जो आज भी कपड़े के टेंट
के शिबिरों में नारकीय जीवन
जी रहे हैं!

आज तक इन लाखों हिन्दुओं की दुर्दशा पर
न किसी बुद्धिजीवी को रोना आया न शर्म आई।

इन्दिरा गांधी की हत्या के अंधे प्रतिशोध में कांग्रेसियों ने

3000 निर्दोष सिक्खों को (7)

जिन्दा जला डाला !

इतनी बड़ी हृदय विदारक घटना को इन
तमाम बुद्धिजीवियों ने राष्ट्रीय शर्म नहीं माना !

हिन्दू-मुस्लिम और ईसाई की तरह सिक्खों को
अलग बता कर एकता की वकालात तो की पर गुरुओं के
(6) जीवन आदर्श "एवं हिन्दुओं की रक्षा के लिये सिख पंथ बना है" ऐसा कहकर दोनों को एक नहीं बताया ।

"राष्ट्रभाषा" बोलने पर सजा !

नन्हें-नन्हें बच्चों को
ईसाई मिशनरियों द्वारा चलाये
जा रहे स्कूलों में हिन्दी बोलने
पर अमानवीय सजायें
दी जाती रही.....

तब कोई बुद्धिजीवी (?) नहीं बोला - ! क्यों ?

देश की बिगड़ी आर्थिक स्थिति की पराकाष्ठा थी कि देश के क़र्ज़ के ब्याज

देश के महत्वपूर्ण व्यक्तियों द्वारा भ्रष्टाचार किया गया एव

शेयर घोटाले के माध्यम से देश की आर्थिक व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लग गया !

रक्षा सौदे . पनडुब्बी, एयरबस आदि की सरकारी खरीदी में देश के उच्च पदों पर आसीन नेताओं ने कमीशन खाकर **भ्रष्टाचार किया.**

विश्व के लिये हमारी हँसी का कारण बने इस कांड पर न किसी बुद्धिजीवी को
शर्म आई.... न राष्ट्र कलंकित हुआ ! शायद.... इसी धन के टुकड़ों पर पल रहे हैं... इसलिये?

इतिहास के तथ्यों को झुठलाकर बनाये गये धारावाहिक जैसे मंदिर तोड़ने बलात्
धर्म परिवर्तन कराने एवं हिन्दुओं पर अमानवीय अत्याचार करने वाले
"टीपू सुल्तान" और झूँठ के पुलिंदे "तमस" के प्रसारण पर
देश के बुद्धिजीवी वर्ग को कोई आपत्ति नहीं हुई। (!)

ऐसे सीरियलों को कल्पना से बना बनाकर झूँठ को सत्य
बनाकर सरकारी भोंपू दूरदर्शन से प्रसारित किया।

राष्ट्रवाद एवं संस्कृति पर आधारित सभ्यता
यानि.... चाणक्य .... रामायण ....महाभारत ..की
लोकप्रियता को....,

अश्लील पुस्तकों जैसी लोकप्रियता

कहने वाले बुद्धिजीवी हैं या बुद्धू ?

इस देश में भी दो चाँद खिले...
मुगलों का और कम्युनिस्टों का!
राष्ट्रवाद
न आये जो मुर्गा जगाने के काम
वो आता है फिर खाने के काम
तथाकथित – बुद्धिजीवी
याद रहे... राष्ट्रवाद को ये बुद्धिजीवी "फासिज्म" कहते हैं। जब भारत की सेनायें सीमा पर खड़ी थीं.. युद्धरत थीं... ये चीन के भाई होने के नारे लगारहे थे!

६ दिसंबर की घटना पर शर्मिन्दा हुए
"बुद्धिजीवी"...
जवाब दें !
राष्ट्र क्या होता है.....
जब जब राष्ट्र कलंकित हुआ.... ये हँसे हैं ----------या छुप गये !

इसी लोकतांत्रिक देश के एक प्रदेश का मुख्य मंत्री गर्व से कहता है.... स्वीकार करता है....
चुनाव में बूथ कब्जों के लिये ठेके दिये जाते हैं।
....हम भी देते हैं !
जब देश में प्रधान मंत्री और मुख्यमंत्री जाली मतदान से जीत कर कुर्सी पर बैठे हों। — ऐसे में दूसरों को लोकतंत्र की दुहाई.....!
.... हाय री बेहयाई !!
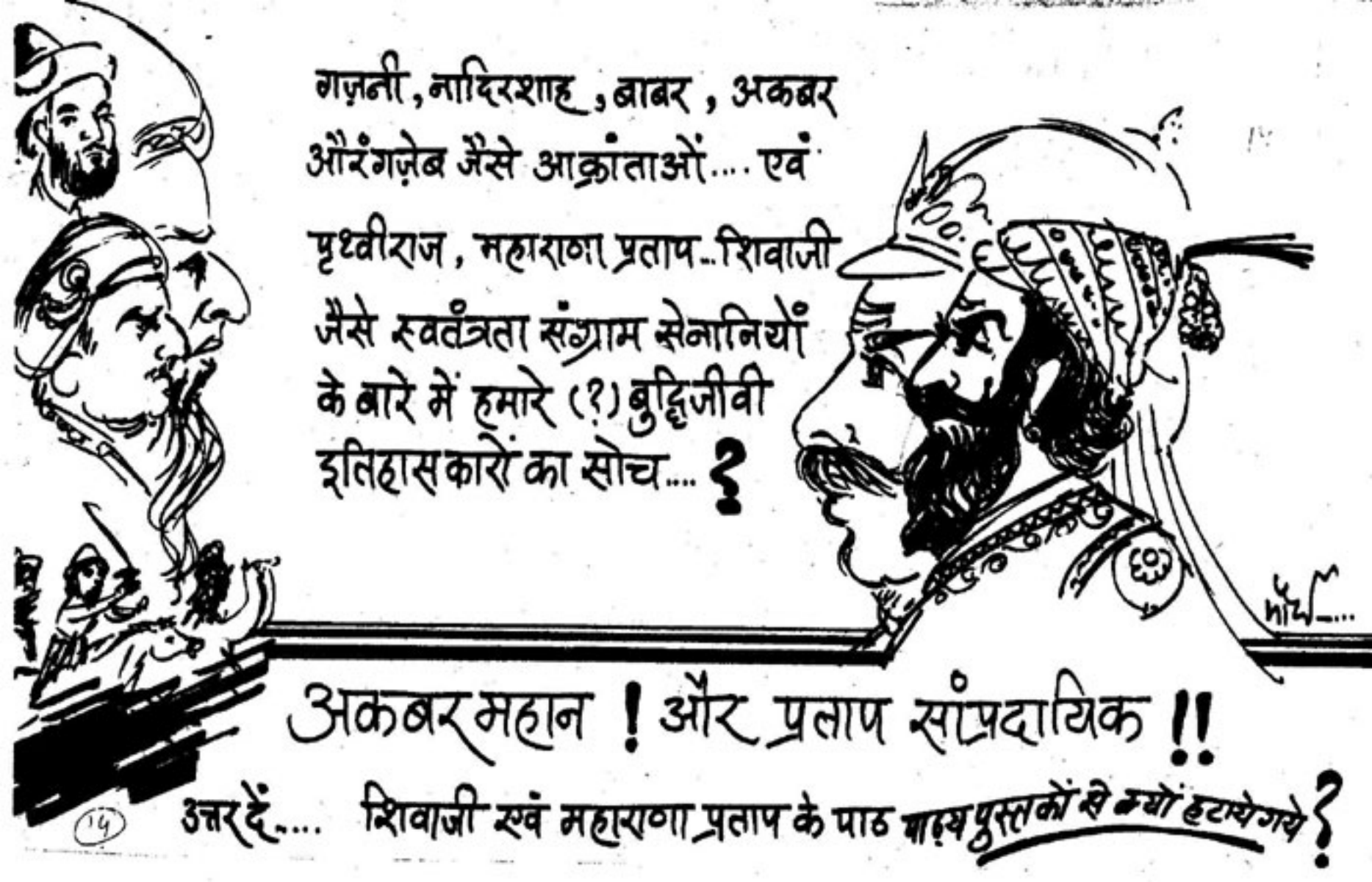
गज़नी, नादिरशाह, बाबर, अकबर
औरंगज़ेब जैसे आक्रांताओं.... एवं
पृथ्वीराज, महाराणा प्रताप.. शिवाजी
जैसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों
के बारे में हमारे (?) बुद्धिजीवी
इतिहासकारों का सोच.... ?
अकबर महान ! और प्रताप सांप्रदायिक !!
उत्तर दें.... शिवाजी एवं महाराणा प्रताप के पाठ पाठ्य पुस्तकों से क्यों हटाये गये ?

मेरा सब्जेक्ट "मारोलॉजी है, एवं मेरे पुत्र का "फांकोलाजी"

....ये "आर्क्योलाजी"
....सब झूठ है !

?

इन्हें आर्क्योलाजी नहीं....
"जूतालॉजी" और "भालाबॉजी"
से ही कोई बात
समझ में आती
है

मंदिर के प्रमाण

15

"भैंसे" के आगे बीन बजाना

न्यायविरोधी हैं!

दकियानूसी हैं

राष्ट्रविरोधी हैं

सेक्यूलर संविधान विरोधी हैं

ॐ

वन्दे मातरम्

17

'राष्ट्रीयता' धर्मनिरपेक्ष संविधान - न्याय एवं प्रगतिशीलता सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं!

न्याय का हत्यारा
कौन?

कांग्रेस एवं कांग्रेस के बच्चों का न्याय प्रेम (?)....एकनजर....

इलाहाबाद हॉयकोर्ट ने आदेश दिया
19
था... श्रीमती इन्दिरा गांधी का चुनाव
अवैध है....। क्या इस न्याय को
स्वीकार किया गया था ?
आपातकाल
इस फैसले को स्वीकार करने के बजाय...
आपातकाल लगा दिया।
आज न्याय के लिये रोने वाले घड़ियाल.. वी.पी.व
अर्जुन ने स्वयं न्यायधीशों के पुतले जलाये थे।

शाहबानो कांड
में अदालती आदेश को
जनभावनाओं का विरोधी
बताकर... संविधान में
संशोधन द्वारा न्याय की
हत्या स्वयं राजीव ने की !
न्याय
समानता
समानता के हिमायती तब क्यों नहीं शर्माये... रोये... चिल्लाये ?

राम भक्तों की "न्यायविरोधी हत्या" को कांग्रेस ने मुलायम की महानता कहा !

न्याय पालिका एवं मानवाधिकार के लिये घड़ियाली आंसू टपकाने

न्यायालय के फैसले के पूर्व ही विवादित ढांचे को मस्जिद कहकर...

मस्जिद नहीं टूटने देंगे !

श्री "राव" ने स्वयं न्याय का ---- घोर अपमान किया है.

न्याय सबको !
तुष्टिकरण किसी का नहीं !!

हम भारत के ताज है।
हमें देश पर नहीं... इस्लाम पर नाज है!!

न्याय को लात मारकर भी
तुष्टिकरण !!!

संविधान के अनुसार देश में सभी को समानता का अधिकार है।..परन्तु...

राष्ट्रवाद !
बनाम सांप्रदायिकता......

• प्रधान मंत्री पद पाने के लिये.. देश का विभाजन स्वीकार किया । • धारा ३७० आदि।
• २५००० वर्गमील भूमि को बंजर कहकर चीन को दे दी । • देश विभाजक शांतिदूत !
• जनसंख्या वृद्धि से पीड़ित देश में लाखों बांग्लादेशी मुसलमान घुसपैठियों को मात्र वोट के लिये शरणार्थी कहकर बसाया । • हरे भरे पंजाब में अकाली सरकार हटाने के लिये भिण्डरांवाले जैसे भस्मासुर पैदा करके आग लगाई !
• सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का अपमान करते हुये संविधान में संशोधन करके इस्लामिक कट्टरवाद को पनपाया • "सिक्ख आतंकवाद" को बल दिया (गलत नीति से विरोध द्वारा) • भ्रष्टाचार किंग
• शाही इमाम के तलवे चाटकर प्रधान मंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुँचाई • "मण्डल प्रसंग" चलाकर हिन्दू समाज को तोड़ा ! • "रुबिया" जैसे कांडो द्वारा आतंकवादियों की सहायता।
• रामभक्तों के हत्यारे मुलायम सिंह के गुरु (सैल कहलाकर धारी अवसरवादी नाटकबाज.
• मंदिर को मस्जिद कहकर न्याय का अपमान • पुनः मस्जिद बनाकर देने का वायदा • तीन बीघा..
रामो/वामो.... देश विरोधी हर कार्य का समर्थन ! राष्ट्रवाद को फासिज्म कहते हैं ।

संघ विरोधी जवाब दें।

१९४७ के पाक आक्रमण से कश्मीर को बचाने में सेना का साथ किसने दिया? १९६२ के चीन युद्ध में सेना के लिये दुर्गम स्थानों पर 'रसद' किसने पहुँचाई? १९६५ के पाक युद्ध में शत्रु सीमा में गिरे भारतीय हथियारों को वापस कौन लाया? पंजाब में आज भी शांति व्यवस्था के लिये संघ प्रयत्नशील है।

पंजाब के मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह द्वारा संघ पर कोई प्रतिबंध न लगाने की घोषणा क्या सिद्ध कर रही है?

मुस्लिम एवं धर्म निरपेक्ष कहलाने वाले दल बतायें.... क्या एक बार भी उन्होंने राष्ट्र रक्षा के लिये सीमा पर सैनिकों की सहायता की है!

दोनों साम्प्रदायिक दलों के लोगों की गिरफ्तारी समान रूप से की है।

पाकिस्तान जिन्दाबाद

शाबास!

वन्दे मातरम्

— कानून —

— सरकार —

"वन्दे मातरम्" एवं "पाकिस्तान जिन्दाबाद" कहने वालों से... समान बर्ताव

सांप्रदायिकता या राष्ट्रद्रोह.

गणतंत्र पर काले झंडों से कई जगह तनाव

दिल्ली में काला दिवस का असर

टोंक, मोहासा और दरियापुर में कर्फ्यू, हैदराबाद और दिल्ली में काला दिवस का असर

कश्मीर में १६ लोग मारे गये, २४२ आतंकवादी रिहा

गणतंत्र समारोह पर राकेट दागा गया

कालेज पर राष्ट्रध्वज के साथ काला झंडा लगाने का प्रयास

दिल्ली में कई स्थानों पर काले झंडे लगे, दो हजार बंदी रिहा

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में छह घंटे तक अफरा-तफरी

राष्ट्रध्वज उखाड़ा गया, लाठीचार्ज, पथराव

इरफान हबीब

गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में हिंसा की साजिश नाकाम

सोचो

हम धर्मनिरपेक्ष हैं... इन्हें रोक नहीं सकते.... धर्म पालन से.
इनके धर्म में है.... गैर इस्लामी को काटना - मारना..
उनकी सम्पत्ति लूटना... उनकी स्त्रियों से बलात्कार........!

तुम भी अपने दया.. प्रेम.. अहिंसा
का पालन करने में स्वतंत्र हो!

हमारा धर्म है
"रणचण्डी की कर्मोपासना।"
हमें करने दी जाये।

तस्माद् उत्तिष्ठ कौन्तेय.. युद्धाय कृत निश्चयः

ये सब मंदिर तोड़कर बनाये गये हैं।
श्रीरामजन्मभूमि के पुरातात्विक प्रमाण माँगने वालो.....
• कुतुब मीनार के बाहर सरकारी शिलालेख लगा है ...पढ़ लो....
"२५ जैन एवं हिन्दू मंदिर तोड़कर इस "सूर्य की लाट"
को इस्लामिक ढंग से रूपान्तरित किया गया है"
• प्रमाण लो ताजमहल - जामा मस्जिद - इमामबाड़े
के मंदिर होने के भी हैं। ३,००० मंदिरों के
प्रमाण मौजूद हैं जिन्हें मस्जिद व मजार बना दिया गया है।
३
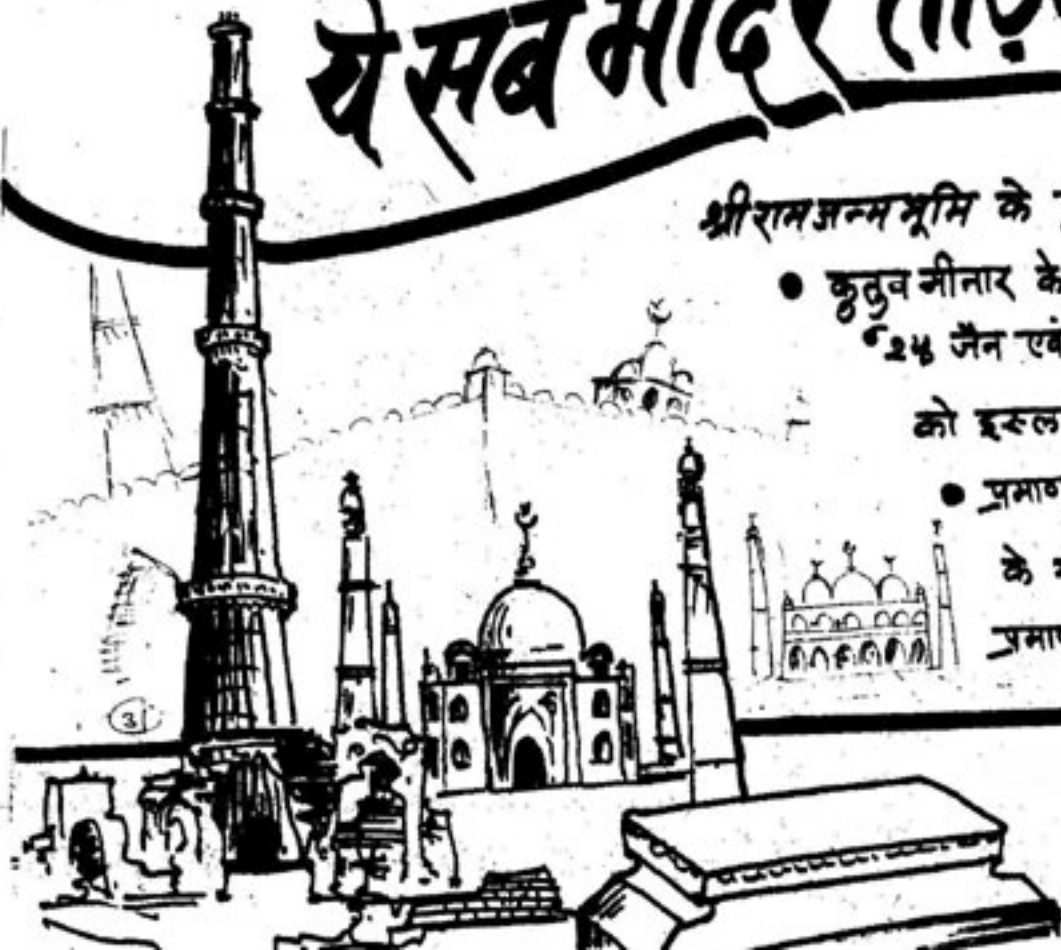
कहने को अपना तिरंगा प्यारा।
दिल से हमें हरा ध्वज प्यारा।
जिस पर अंकित चांद सितारा।

झूठ के बच्चो---
यहाँ भी झूठ !!
झंडा समिति द्वारा पारित "भगवा ध्वज" को रद्द करवाकर तीन धर्मों के तीन रंगों की पट्टियाँ जोड़कर यह झंडा बनाया--- ध्वज में भी धर्मनिरपेक्ष ढोंग...... ......?

और आज वह भी.....?

"हिन्दू" ने ही कीमत चुकाई.. "धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रीय ध्वज" को अपना माना!
। सफेद एवं हरा रंग शामिल करने के बाद भी ईसाईयों एवं मुसलमानों ने इसे नहीं स्वीकारा।
राष्ट्र को पराया मानने वाले.... ध्वज को कैसे अपना मानेंगे ?

"सारे जहाँ से अच्छा -----" गीत रचने के बाद भी तुम्हें "मुसलमानों की राष्ट्रवादिता पर शंका हो रही है...

इसे पढ़ो

इसे भी पढ़ा है... और इसके बाद की पंक्तियाँ भी पढ़ी हैं कि...

चीनो-अरब हमारा हिन्दोस्ताँ हमारा।
मुस्लिम हैं हम, वतन है सारा जहाँ हमारा॥

इसे गाकर हम राष्ट्रद्रोही को सम्मान क्यों दें?

उन बुलबुलों से कह दो - कोई और चमन ढूँढे।

यह भोगभू नहीं है... यह पुण्य भू हमारी॥ प्राणों से प्रिय हमें है ये मातृभू हमारी॥

इस गीत का लेखक 'पाकिस्तान' चला गया था --- इकबाल जहाँ गया... वहीं गाने वाले भी जायें।

जो बोले राम... कर दो काम-तमाम.... अपना नारा है.. इस्लाम. मुल्लों को क्या देश से काम. काफिरों के सिरों को....
ईश्वर अल्लाह तेरा नाम---
मस्जिद के सामने
बाजे न बजायें!
गाँधीजी के इस धर्म निरपेक्ष गीत को मस्जिदों में
आज तक मुसलमानों ने नहीं गाया!
• क्यों गायें? बेवकूफ हिन्दुओं ने इसे गाने का ठेका ले रखा है न!
मुसलमान गायेंगे तो एकता की रायल्टी देनी पड़ती है... •

धूर्त-पिशाच निकट नहिं आवे।
जब भी 'जय श्री राम' सुनावे ।।
।।ॐ राष्ट्राय स्वाहा:।।
यदि इन धूर्त नेताओं में जरा भी ईमान है तो एक बार दूरदर्शन पर खुली बहस करें राष्ट्रवादी नेताओं से।
खुला चैलेंज है ..... सच्चे हैं तो.. सामने आवें।

यह भी सोचो....

हिन्दुओं ने हथियार उठा लिये तो.... क्या होगा ?

हमने इन्हें रोक रखा है।
अगर ये बिगड़ गये खूनखराबा हो

12 करोड़ मुसलमान सड़कों पर आ गये... तो... क्या होगा ?

कठमुल्ले

विराट हिन्दू समाज

दंगे मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में ही क्यों होते हैं ?

मंदिर... के विरोधी हम नहीं... !
मंदिर बनायेंगे
स.पा
रामो वामो
एवं अन्य
सजद
जद
इंका
बनायेंगे - बनायेंगे नहीं... साफ कहो....
वहीं बनायेंगे और वैसा ही बनायेंगे।
सारे नेता बेईमान.... हमें पटियाने आये हैं।
आंदोलन मंदिर के लिये नहीं... जन्मभूमि मंदिर के लिये है
।। जननी जन्म भूमिश्च... स्वर्गादपि गरीयसी ।।

तो..... अरब देश भारत को
तेल देना बंद कर देंगे।
मुस्लिम देशों के प्रतिनिधि (?) शाही इमाम

ठीक है.... हम रेलगाड़ी के बजाय
बैलगाड़ी से काम चला लेंगे।
पर तुम्हारा खाना-पहनना हम बंद कर देंगे... फिर तुम...
तेल ही खाना...पीना
तेल ही पहनना

हम दो ! हमारे दो !!

हम पांच ! हमारे पच्चीस !!

चाहे पंचर जोड़ेंगे ! पर भारत को तोड़ेंगे

वोट बैंक की समृद्धि के लिये मुस्लिमों की संख्या बढ़ाने की छूट !

याद रखें.... पहले मात्र २३% मुस्लिमों ने देश को काट दिया था।

१९५१ से प्रत्येक जनगणना में मुस्लिम आबादी का प्रतिशत बढ़ता जा रहा है। यह किस बात का संकेत है?

जय श्रीराम
राम के भक्तों के आगे.. राव(ण) की न चल पायेगी !
पूंछ का कुछ न बिगड़ेगा... लंका सारी जल जायेगी !!
छद्म धर्म निरपेक्ष
प्रतिबंध
न्याय की आड़
संविधान विरोध
झूठे आरोप
भड़काऊ भाषण
कांग्रेस
इतिहास स्वयं को दोहराता
नवरूपों में. नवरंगों में

धर्मनिरपेक्षता
या हिन्दू विरोध.....

□ क्या शासन ने किसी हिन्दू मंदिर के जीर्णोद्धार हेतु किसी "धार्मिक नेता" को कभी धन दिया है?

अब भी कोई मस्जिद खतरे में हो तो
लोग मानव श्रृंखला बनाकर उसे बचायें
मुसलमानों के भरोसे होगी चेतना रैली
और... अगर...
मंदिर खतरे में हो...
तो... ?
तो क्या.... !
बचाने वालों पर...
रा.सु.का. लगाकर
जेल में डाल दो।
वाह री धर्म निरपेक्षता !

मंदिरों का विध्वंस !
स्त्रियों की बेइज्जती !!
हत्यायें !!! लूट !!!! ....
हिन्दुओं की इसी "सहिष्णुता" के हम कायल हैं !
कायरता और फूट की चादर
• हिन्दू समाज •
धर्म निरपेक्ष (?) नेता/बुद्धिजीवी (?)

परम्परा कोई आजकल की नहीं है। अंग्रेजों के समय भी थी... और आज़ादी के बाद से आज तक निर्विघ्न चलती रही है...." धर्म निरपेक्षता के लिये... हिन्दू हितों की बलि" ! कांग्रेस इस महान परम्परा को बंद नहीं होने देगी।
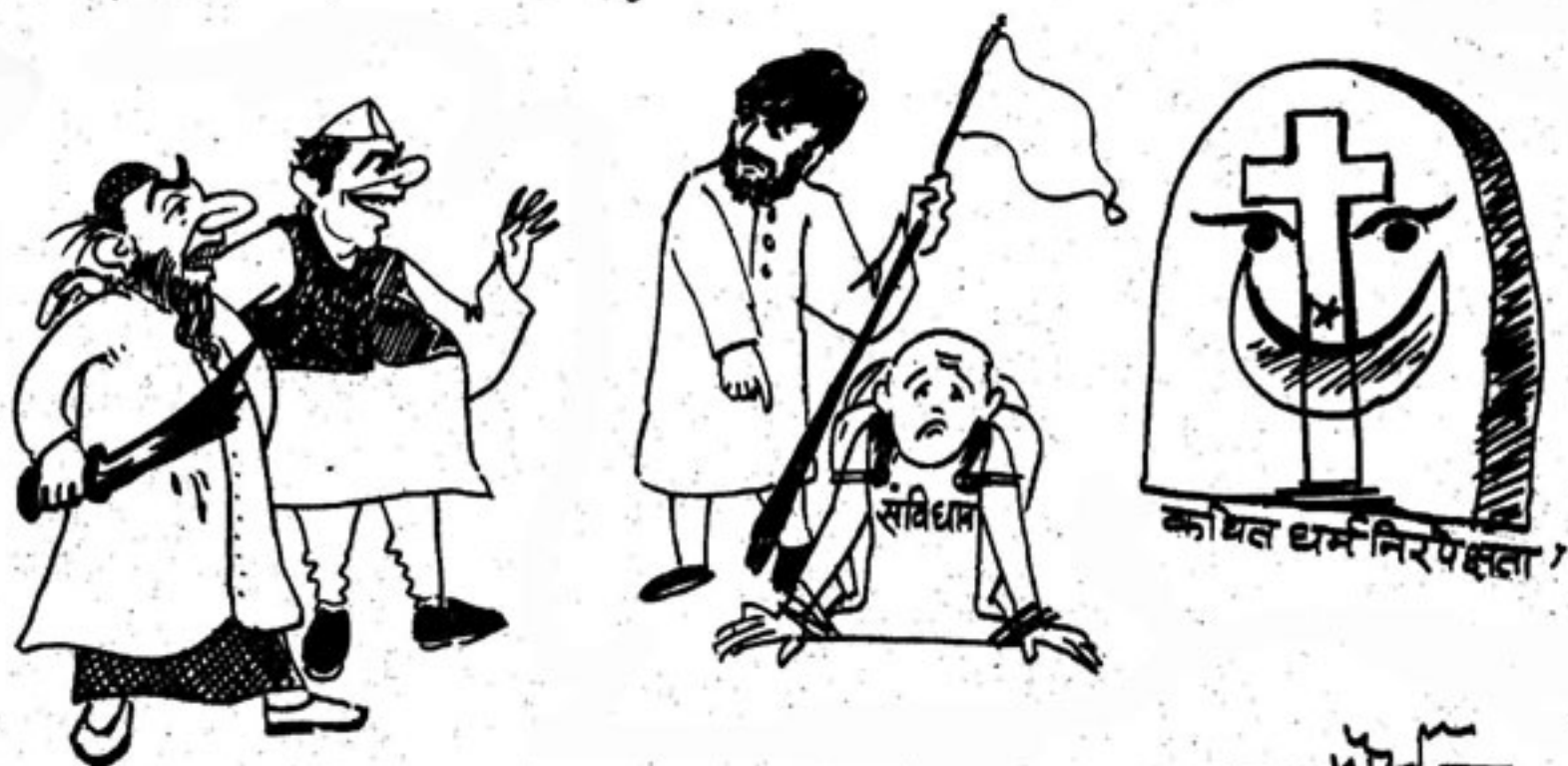
धर्मनिरपेक्षता की कीमत हिन्दू ही क्यों चुकाये ?

ये देश गजनी. बाबर. नादिरशाह एवं औरंगजेब जैसे हमारे ऐतिहासिक पुरुषों का है। ये सब "हमारे पूर्वज" हैं। इनके स्मृति चिन्ह हम मिटने नहीं देंगे!

तुम्हारे पूर्वज होंगे ये लुटेरे
श्रीराम, कृष्ण, प्रताप, शिवा, सुभाष, गांधी के वंशज हैं।

झूठ बोलकर इतिहास के सत्य को दबाना....

क्या यही धर्मनिरपेक्षता है।

?

देश में सबको समान बताने वाले उत्तर दें....। हिन्दुओं के लिये अलग "कोड बिल"...
और मुसलमानों के लिये "मुस्लिम पर्सनल लॉ" क्यों ?

जो हम जीते अबकी बार....
तो होगी "चर्च की सरकार"।।
धर्म को राजनीति से अलग रखने की वकालात करने वाली कांग्रेस ने गत चुनावों में "मिज़ोरम" विधान. सभा चुनाव के घोषणा पत्र में चर्च के आदेशानुसार अपनी सरकार चलायेंगे..कहा था.
एक प्रान्त की सत्ता के लिये प्रदेश की "चर्चों" को सौंपने वाले... पूरे देश की सत्ता को.... ?

यतो धर्मस्ततोजयः

सर्वोच्च-न्यायालय

नाराज न हों... धर्मनिरपेक्ष रहने के लिये हम "धर्म" के.... स्थान पर .... यह...

पाप

पूर्व में इन्हीं धर्म निरपेक्षों ने.... दूरदर्शन चिन्ह के वाक्य "सत्यम्...शिवम्.... सुंदरम्" में से "शिवम्" के स्थान पर "प्रियम" कर दिया था।

झंडा... चुनाव चिन्ह आदि नही हैं। कांग्रेस ई", कांग्रेस ई ही कही जायेगी। हमने तो

सिर्फ "इन्दिरा" के स्थान पर "इस्लाम" को मान्यता दी है।

देश की भूमि काटकर बांग्ला देश को भेंट कर देने वाले नरसिंहराव ने श्री राम मंदिर के ढाँचे को मस्जिद कहकर सिद्ध कर दिया है कि.... हिन्दू शरीरों में राष्ट्रद्रोही मुस्लिमों के प्रतिरूप हैं कांग्रेसी

आदाब ! हम सुन्नत वाले मुल्ले हैं !
आप कौन ?
हम... बिना सुन्नत वाले
.कठमुल्ले" हैं !
"हिन्दू" पे किये हमने जुलम वोट की खातिर । न्याय को किया है हजम वोट की खातिर ।।

यामौला तेरे बन्दे हम ।
नेकी से डरें और बदी पर चलें....
अब फैलायें मुस्लिम धरम !!
सिर्फ वोटों की है कामना ।
अब तू ही हमें थामना ।
हिन्दू जनता मरे...
मुस्लिमों से डरे...
पूरे भारत को कर दें खतम ।
नेता व बुद्धिजीवी की धर्मनिरपेक्ष प्रार्थना ।।
54

हमारे पूर्वज बाबर" की निशानी थी...
हिन्दुस्तान की हार की कहानी थी।

कमबख्तों ने तोड़ दी !

जब तक एक भी धर्मनिरपेक्ष
जिन्दा है... बाबर का नाम मिट नहीं
सकता ! मस्जिद फिर बनायेंगे।

धर्मनिरपेक्ष की आति का.. पता चला है इरादों से।
बच्चा बच्चा बदला लेगा..बाबर की इन औलादों से ।।

हमने "चाँद और सितारों" की तमन्ना की थी
मेरी चीज़ पर हाथ डालने की कोशिश!
सेक्यूलरों की अनोखी रीति।
हिन्दू विरोध– मुस्लिम से प्रीति ॥

हम तुम दोनों जब मिल जायेंगे..... देश को मुस्लिम राष्ट्र बनायेंगे..।।

राष्ट्रवादियों की लड़ाई सत्ता को नहीं

'वोटों के लिये संस्कृति की बिक्री रोकने के लिये है !

तुम अगर साथ देने का वादा करो---
मैं यूंही हिन्दुओं को मिटाता रहूँगा
एकला चलो रे...ऽऽऽ!
कांग्रेस द्वारा भा.ज.पा. विरोधी मोर्चा (प्रस्ताव)
वी.पी. सिंह द्वारा एकल संघर्ष (घोषणा)

विष का कुंभ बना अमृतघट,
रखा हुआ मन माहिं।
"**हिन्दू एकता**" तीर बिना
फूट सकेगा नाहिं।।

शासन का फेरबदल रावण के सिर कटने से अधिक नहीं। सिर्फ चेहरे बदलते हैं। नये सिर के साथ **राव(ण)** फिर हाजिर है राम के विरुद्ध

हमने देश के हित को छोड़ा....वोट तेरा पाने को।

धर्मनिरपेक्ष (?) नेता जवाब दें... क्या मुस्लिम आतंकियों द्वारा तोड़े गये १ भी हिन्दू मंदिर के पुनर्निर्माण की बात अभी तक कही है ?

रंग हैं जुदा-जुदा... गंध मगर एक है।

तमाम धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के विषवृक्षों की भूमि हिन्दू विरोध... एवं इसकी राष्ट्र विरोधी जड़ों को सींचने वाला जल - मुस्लिम तुष्टिकरण !

मस्जिद वहीं बने !
....यह गलत है
62
पहचानो...
राज्यों से
मुसलिमों की राय में मसजिद फिर से बने पर हिंदू इसे गलत मानते हैं

धर्मनिरपेक्षता भारत के परिपेक्ष्य में—

- राष्ट्रीय पर्व – ईद .. मिलादुलनबी.... मुहर्रम...
- साप्ताहिक अवकाश – शुक्रवार ....
- संविधान ——— शरीयत ....
- गौरव चिन्ह ——— मुगलों द्वारा मंदिर तोड़कर बनाई मस्जिदें.
- राष्ट्रपुरुष ——— जिन्ना, खुमैनी, बुखारी, शहाबुद्दीन.....
- राष्ट्रीय पहचान —— बुर्का व दाढ़ी...
- राष्ट्रीय ग्रंथ —— कुरान
- राष्ट्रीय गान —— या इलाह इल्लिललाह .....
- **क्या आप सहमत हैं ?.**

भावी प्रधानमंत्री "नरसिंह खान" द्वारा धर्मनिरपेक्षों के लिये विचारार्थ प्रसारित.